

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 1, बाइबिल की कहानी और मुख्य अंश

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च और अंतिम चीजों के सिद्धांतों पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 1 है, बाइबिल की कहानी और मुख्य अंश।

चर्च और अंतिम चीजों के सिद्धांतों पर हमारे व्याख्यानों में आपका स्वागत है।

मैं रॉबर्ट पीटरसन हूँ, दो इंजील सेमिनारियों में व्यवस्थित धर्मशास्त्र का सेवानिवृत्त प्रोफेसर, वर्तमान में सेवानिवृत्त लेकिन संपादन और लेखन का काम आधे समय के लिए करता हूँ और सेंट चार्ल्स, मिसौरी में कॉव्नेंट ऑफ़ ग्रेस चर्च में सहयोगी पादरी के रूप में सेवा करता हूँ।

कृपया मेरे साथ प्रार्थना करें। पिता, आपके वचन और उसकी शिक्षाओं के लिए धन्यवाद। हमें बुद्धि दें, और हमें सूचित करने के लिए अपने वचन के माध्यम से काम करें, लेकिन हमें अपने बेटे की छवि में और अधिक बदलने के लिए भी। हम उनके पवित्र नाम में प्रार्थना करते हैं, आमीन।

अंतिम चीजों का सिद्धांत इस पाठ्यक्रम का दूसरा भाग है, चर्च अवलोकन का सिद्धांत। हम बाइबिल की कहानी से शुरू करेंगे, जो कि वहीं से शुरू होनी चाहिए क्योंकि धर्मशास्त्र को व्याख्या पर आधारित होना चाहिए, और व्याख्या को बाइबिल की कहानी के संदर्भ में रखा जाना चाहिए, इसलिए बाइबिल की कहानी नंबर एक है।

दूसरा, दोनों नियमों में कुछ मुख्य अंश परमेश्वर के लोगों से संबंधित हैं। मैं इस बात पर बहस नहीं करने जा रहा हूँ कि हमें पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों को चर्च कहना चाहिए या नहीं। कुछ मायनों में, हमें ऐसा करना चाहिए।

बाइबल में परमेश्वर के एक ही लोग हैं। अन्य तरीकों से, बेशक, नए नियम के चर्च में नयापन है, इसलिए मैं उन्हें पुराने नियम में परमेश्वर के लोग कहूँगा। हम दोनों नियमों में कुछ मुख्य अंशों और फिर चर्च की बाइबिलीय तस्वीरों को देखेंगे।

फिर से, बाइबिल के धर्मशास्त्रीय जोर, परमेश्वर के लोग, पवित्र आत्मा का मंदिर, मसीह की दुल्हन, मसीह का शरीर, और इसी तरह। वे चित्र हमारे ध्यान के लायक हैं। फिर, पुराने नियम में चर्च, हाल ही में मेरे द्वारा किए गए कुछ शोध के आधार पर अधिक विस्तृत विवरण।

पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, मुझे कहना चाहिए, जो मैंने अभी कहा है उसके अनुरूप होना चाहिए। ऐतिहासिक धर्मशास्त्र। व्यवस्थित विज्ञान व्याख्या और बाइबिल धर्मशास्त्र पर आधारित है, जो एक सीधी रेखा में खड़े हैं और व्यवस्थित विज्ञान की ओर इशारा करते हैं, लेकिन सीधी रेखा में नहीं, लेकिन अच्छे व्यवस्थित विज्ञान के लिए सिद्धांत के इतिहास से परामर्श करना आवश्यक है, चर्च ने बाइबिल की शिक्षाओं को कैसे समझा है, और हम चर्च के ऐतिहासिक

धर्मशास्त्र, चर्च के ऐतिहासिक धर्मशास्त्र को करना चाहते हैं, बस कुछ मुख्य बिंदुओं पर चर्चा कर रहे हैं, जो फिर भी हमें अलग-अलग तरीकों से सोचने पर मजबूर करेंगे कि कुछ महत्वपूर्ण अभिव्यक्तियाँ कहाँ से आईं, चर्च के बारे में बात करने के तरीके, विभिन्न बाइबिल और धर्मशास्त्रीय महत्व जो विभिन्न अवधियों में उजागर किए गए थे और इसी तरह, रोमन कैथोलिक दावे, और इसी तरह।

फिर, चर्च और चर्चों का संक्षिप्त विवरण, चर्च शब्द का उपयोग कैसे किया जाता है और चर्चों का अध्ययन, चर्च और चर्चों का उपयोग नए नियम में किया जाता है, व्यक्तिगत स्थानीय फैलोशिप, शहर भर के चर्च, रोमन प्रांतों के चर्च, एक निश्चित प्रांत के सभी चर्चों को चर्च कहा जा सकता है, और फिर यरूशलेम परिषद में अधिनियम 15 में, विश्वव्यापी चर्च को चर्च कहा जाता है। तो, चर्च शब्द के उन उपयोगों में एक निरंतरता है। फिर, चर्च की ऐतिहासिक विशेषताएँ।

चर्च एक पवित्र, कैथोलिक, सार्वभौमिक और प्रेरितिक चर्च है। यह चर्च के शुरुआती पंथों में से एक से आता है और एक ऐतिहासिक संकेत बन गया है, जो हमें चर्च के बारे में बाइबल की शिक्षाओं के अनुसार एक बहुत ही उपयोगी दिशा में इंगित करता है। इसके गुण पितृसत्तात्मक हैं।

चर्च के चिह्न सुधारवादी हैं, और सुधारकों ने, उन्होंने विशेषताओं पर निर्माण किया, चर्च के गुणों को स्वीकार किया, और उनमें से कुछ चीजों के प्रति रोम के व्यवहार की आलोचना की, लेकिन उन्होंने चिह्न जोड़े क्योंकि उनके पास एक नई स्थिति थी और उन्हें सच और झूठ में अंतर करने की कोशिश करनी थी। आप ऐसा कैसे करते हैं? उन्होंने चर्च के तीन चिह्नों पर जोर दिया: वचन का उचित प्रचार, चर्च के संस्कारों या अध्यादेशों का उचित प्रशासन, और चर्च के अनुशासन का ईमानदारी से पालन। हम चिह्नों के बारे में बात करेंगे।

इससे, हम चर्च संबंधी अलगाव पर एक चर्चा करेंगे। ईसाइयों को चर्च से कब अलग होना चाहिए? हम सत्य और त्रुटि का मूल्यांकन कैसे करते हैं? विधर्म, धर्मत्याग और विभाजन के बीच क्या अंतर है? क्या हम सभी में त्रुटियाँ नहीं होती हैं? क्या कुछ त्रुटियाँ दूसरों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैं? क्या कोई प्रणालीगत त्रुटि, प्रणाली-व्यापी या व्यवस्थित त्रुटि जैसी कोई चीज़ है? और यदि ऐसा है, तो निश्चित रूप से हैं, फिर यदि ईसाई, मसीह में सच्चे विश्वासी, अन्य ईसाइयों को व्यवस्थित त्रुटि का दोषी मानते हैं, जो कि हम निश्चित रूप से करते हैं, तो क्या यह विधर्म के समान है? क्या हमें उन लोगों को विधर्मी कहना चाहिए जो हमारे साथ असहमत हैं, भले ही व्यवस्थित तरीके से, विधर्मी? क्या यह बाइबिल के अनुसार है? हम उनमें से कुछ मुद्दों पर चर्चा करेंगे, और इसके साथ ही, जहाँ तक चर्च संबंधी अलगाव का विषय है, हम चर्चा करेंगे कि इनमें से कुछ चीजों के प्रकाश में पादरी का काम क्या है। त्रुटि, झूठी शिक्षा और विभाजन के प्रकाश में, विधर्मी कौन हैं? पादरी का काम क्या है? यह कैसे काम करता है? कुछ दिशा-निर्देश क्या हैं? फिर हम चर्च के अध्यादेशों पर विचार करेंगे क्योंकि पुराने नियम में परमेश्वर ने और नये नियम में मसीह ने उन्हें आदेशित किया था।

नए अध्याय में, हमारे पास दो हैं, बपतिस्मा और प्रभु भोज, और हम बपतिस्मा और प्रभु भोज के बाइबिल के अनुसार अलग-अलग दृष्टिकोणों और अर्थों के संदर्भ में विभिन्न तरीकों से उनसे

निपटेंगे। चर्च की सरकार में, कई अलग-अलग बुनियादी दृष्टिकोण हैं जो विभिन्न चर्च निकायों और संप्रदायों में परिलक्षित होते हैं। यह कहाँ से आता है? यह कैसा दिखता है, चर्च की सरकार? फिर हम कुछ मुख्य शिक्षाओं और फिर चर्च की सेवा को देखकर चर्च के सिद्धांत का समापन करेंगे। चर्च को क्या करना चाहिए? एक बार फिर, शास्त्रों के अनुसार, चर्च जीवन की सबसे महत्वपूर्ण बातें क्या हैं? तो, हम बाइबिल की कहानी में चर्च से शुरू करते हैं।

परमेश्वर के लोग आदम और हव्वा से शुरू होते हैं। मैं खुद को असंगत पाता हूँ। मैं यह तर्क देने में बहुत बड़ा नहीं हूँ कि चर्च पुराने नियम में है, जब तक कि आपका मतलब यह न हो कि मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि नया नियम चर्च पुराने नियम में है।

यदि आपका मतलब है कि परमेश्वर के लोग पुराने नियम में हैं, तो मेरा भी यही मतलब है, लेकिन मैं शब्दावली में खुद को असंगत पाता हूँ। परमेश्वर के लोग अदन के बगीचे में आदम और हव्वा से शुरू होते हैं। परमेश्वर उन्हें अपनी छवि में बनाता है, जिसका अर्थ है कि वे अपने निर्माता के साथ संगति में बनाए गए हैं, उत्पत्ति 1:27। इसलिए, परमेश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि में बनाया।

भगवान की छवि में, उसने उसे बनाया। नर और मादा, उसने उन्हें बनाया। वे बगीचे में उसके चलने की आवाज़ को पहचानते हैं, उत्पत्ति 3:8। यहां तक कि जब वे भगवान के खिलाफ विद्रोह करते हैं, तब भी वह उन्हें नहीं छोड़ता है, बल्कि एक उद्धारक भेजने का वादा करता है, उत्पत्ति 3:15 का प्रसिद्ध प्रोटो-इवेंजेलियन। मैं शैतान को शाप देते हुए कहता हूँ, मैं शत्रुता डालूंगा, शैतान, तुम्हारे बीच, शैतान, और स्त्री, हव्वा, और तुम्हारे वंश और उसके वंश के बीच, वह, शैतान, स्त्री को कुचल देगा, वह तुम्हारा सिर कुचल देगा, तुम उसकी एड़ी को डसना।

स्त्री की संतान शैतान के सिर को कुचल देगी। शैतान स्त्री की संतान की एड़ी को डसेगा। उत्पत्ति के दृष्टिकोण से यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है, लेकिन 20-20 पञ्चदृष्टि से, दुष्ट यहूदा को परमेश्वर के पुत्र को धोखा देने के लिए प्रेरित करता है और जिसे क्रूस पर चढ़ाया गया; यानी उसकी एड़ी को डसा जाता है।

आप कहते हैं कि क्रूस पर चढ़ना? क्या यह एड़ी को चोट पहुँचाना है? खैर, यह इसलिए है क्योंकि यह दुनिया को बचाने के लिए भगवान का महान कार्य है, और इसके बाद मसीह का पुनरुत्थान होता है, लेकिन विडंबना यह है कि मसीह की मृत्यु शैतान के सिर को चोट पहुँचाना है। यह भगवान है, जो पुत्र और आत्मा के माध्यम से दुष्ट को हराता है। चर्च और बाइबिल की कहानी।

बाद में, परमेश्वर ने मूर्तिपूजकों के परिवार से अब्राहम को बुलाया; यहोशू का अंतिम अध्याय हमें बताता है कि यहोशू 24 उसके साथ एक वाचा, एक गंभीर समझौता करता है, जो उसके और उसके बाद उसके वंशजों के लिए परमेश्वर होने का वादा करता है। उत्पत्ति 17:7 बहुत सुंदर है। परमेश्वर अब्राहम से वादा करता है, मैं तुम्हारे और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंशजों के बीच उनकी पीढ़ियों के लिए एक सदा की वाचा के रूप में अपनी वाचा स्थापित करूँगा, कि मैं तुम्हारा और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंशजों का परमेश्वर रहूँगा।

यह एक अद्भुत वादा है, जो परमेश्वर द्वारा अब्राहम के साथ की गई वाचा का एक हिस्सा है। वाचा एक रिश्ता है, लेकिन यह परमेश्वर और उसके लोगों के बीच एक औपचारिक रिश्ता है, जिसे अक्सर खून से, बलिदान के खून से सील किया जाता है। परमेश्वर अब्राहम को एक भूमि देने का वादा करता है, साथ ही उसे एक महान राष्ट्र बनाने और उसके माध्यम से सभी लोगों को आशीर्वाद देने का वादा करता है।

उत्पत्ति 12:3. मैं आपको आशीर्वाद दूंगा, मैं तुम्हें एक महान राष्ट्र बनाऊंगा, 12:2, और मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा और तुम्हारा नाम महान बनाऊंगा ताकि तुम एक आशीर्वाद बनो। परमेश्वर अब्राहम से बात कर रहा है जो अब्राहम बन गया।

जो तुझे आशीर्वाद देंगे, मैं आपको आशीर्वाद दूंगा, और जो तुझे अपमानित करेगा, मैं उसे शाप दूंगा, और तेरे द्वारा पृथ्वी के सभी परिवार आशीर्वादित होंगे। अध्याय 22 में, इसहाक की बलि के साथ, यह कहा गया है कि पृथ्वी के सभी लोग आशीर्वादित होंगे। सभी परिवार, सभी लोग।

अब्राहम कल्पना नहीं कर सकता था कि यह कैसे होने वाला था क्योंकि वह और सारा निःसंतान थे और बच्चे पैदा करने में असमर्थ थे, लेकिन परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है। अब्राहम से इसहाक और याकूब आए, जिनका नाम परमेश्वर ने बदलकर इस्राएल रखा, और जिनसे परमेश्वर अपने लोगों की 12 जनजातियाँ लेकर आया। पुराने नियम का बाकी हिस्सा इस्राएल की इन 12 जनजातियों के साथ परमेश्वर के व्यवहार से संबंधित है।

महान विपत्तियों और एक नाटकीय पलायन के माध्यम से, परमेश्वर इस्राएल को मिस्र की गुलामी से बाहर बुलाता है ताकि वह उसका अपना लोग बन जाए। वह उन्हें दस आज्ञाएँ देता है, उन्हें अपना लोग होने का दावा करता है, और उन्हें वादा किया हुआ देश देता है, जिस पर वे कनानियों को हराने के बाद कब्जा कर लेते हैं। सारांश बहुत सरल है, लेकिन यह है, और यह सारांश के रूप में अपने उद्देश्य को पूरा करता है।

बाद में, परमेश्वर ने उन्हें यरूशलेम में राजा के रूप में दाऊद को सौंप दिया। परमेश्वर ने दाऊद के वंशजों को एक राजवंश बनाने और उनमें से एक के सिंहासन को हमेशा के लिए स्थापित करने का वादा किया। 2 शमूएल 7:14 से 16।

दया में, परमेश्वर अपने पुराने नियम के लोगों को उस न्याय के बारे में चेतावनी देने के लिए कई भविष्यद्वक्ताओं को भेजता है जो तब आएगा जब वे अपने पापों का पश्चाताप नहीं करेंगे और प्रभु की ओर नहीं मुड़ेंगे। फिर भी, वे बार-बार उसके और उसके भविष्यद्वक्ताओं के खिलाफ विद्रोह करते हैं, और वे खुलेआम, घृणित मूर्तिपूजा में संलग्न होते हैं। जवाब में, परमेश्वर 722 ईसा पूर्व में 10 जनजातियों के उत्तरी राज्य को असीरिया में बंदी बना लेता है, और दक्षिणी राज्य उससे सीख नहीं लेता है, बल्कि मूर्तिपूजा जारी रखता है, यहाँ तक कि सिंहासन पर बैठे दाऊद के वंशज भी, परमेश्वर के मंदिर में मूर्तियाँ लाते हैं, और इसी तरह।

यह परमेश्वर की दृष्टि में घृणित है, और वह अपने शापों का पालन करता है, और दो जनजातियों, यहूदा और बिन्यामीन का दक्षिणी राज्य 586 ईसा पूर्व में बेबीलोन में बंदी बना लिया जाता है।

भविष्यवक्ताओं के माध्यम से, परमेश्वर एक उद्धारकर्ता भेजने का भी वादा करता है, उदाहरण के लिए, यशायाह 9:6 और 7। क्योंकि हमारे लिए एक बच्चा पैदा हुआ है, हमें एक बेटा दिया गया है, और सरकार उसके कंधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत परामर्शदाता, शक्तिशाली परमेश्वर, अनन्त पिता, शांति का राजकुमार कहा जाएगा।

उसकी सरकार और शांति की वृद्धि का कोई अंत नहीं होगा। दाऊद के सिंहासन पर और उसके राज्य पर उसे स्थापित करने और न्याय और धार्मिकता के साथ इसे अब से और हमेशा के लिए बनाए रखने के लिए। सेनाओं के यहोवा का उत्साह यह करेगा।

मैं यशायाह 53 नहीं पढ़ूंगा, लेकिन मैं बस इसका एक छोटा सा स्वाद चखूंगा। परमेश्वर अपने पीड़ित सेवक को भेजने का वादा करता है, यशायाह 53:5। उसे हमारे अपराधों के लिए छेदा गया था। उसे हमारे अधर्म के लिए कुचला गया था। उस पर वह दण्ड था जो हमें शांति प्रदान करता है, और उसके घावों से हम चंगे होते हैं।

हम सब भेड़ों की तरह भटक गए हैं; हम में से हर एक ने अपना-अपना मार्ग चुना है, और यहोवा ने हम सब के अधर्म का बोझ उसी पर डाल दिया है। परमेश्वर ने वादा किया है कि वह अपने लोगों को 70 साल बाद बेबीलोन की बंधुआई से छुड़ाकर उनकी भूमि पर वापस ले आएगा। यिर्मयाह 25 कम से कम दो स्थानों में से एक है जहाँ हमें इस उल्लेखनीय, लेकिन कई मायनों में दुखद भविष्यवाणी में यह बताया गया है।

यिर्मयाह 25:11 और 12. परमेश्वर अपने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहता है, यह पूरा देश उजाड़ और उजड़ जाएगा, और ये राष्ट्र 70 वर्ष तक बेबीलोन के राजा की सेवा करेंगे। फिर, 70 वर्ष पूरे होने पर, मैं बेबीलोन के राजा और कसदियों के देश के उस राष्ट्र को उनके अधर्म के कारण दण्ड दूँगा, यहोवा की यह वाणी है, और उस देश को सदा के लिए उजाड़ बना दूँगा।

एज्रा और नहेम्याह के अधीन उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए परमेश्वर लोगों को पुनर्स्थापित करता है। लोगों ने यरूशलेम की दीवारों का पुनर्निर्माण किया और दूसरा मंदिर बनाया, फिर भी पुराने नियम का अंत परमेश्वर के लोगों द्वारा उससे दूर जाने के साथ होता है। मलाकी की पुस्तक इस संबंध में शिक्षाप्रद है।

400 वर्षों के बाद, परमेश्वर ने अपने पुत्र को वादा किए गए मसीहा, पीड़ित सेवक, इस्राएल के राजा, मनुष्य के पुत्र, दाऊद के राजा और दुनिया के उद्धारकर्ता के रूप में भेजा। यीशु अपने आने का उद्देश्य बताते हैं, यह उद्धृत करते हुए कि मनुष्य का पुत्र सेवा करवाने के लिए नहीं बल्कि सेवा करने और बहुतों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन देने के लिए आया था। मार्क 10:45 का प्रसिद्ध छुड़ौती कथन मार्क के सुसमाचार में दो स्थानों में से एक है जहाँ मसीह के प्रायश्चित के कार्य को समझाया गया है।

दूसरा स्थान वचन में है, मार्क के सुसमाचार के अध्याय 14 में प्रभु के भोज की संस्था में। यीशु शिष्यों को चुनता है, उनके साथ समय बिताता है, उन्हें परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखाता है, दुष्टात्माओं को निकालता है, चमत्कार करता है, और एक से अधिक बार अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान की भविष्यवाणी करता है। अपने जी उठने के बाद, वह अपने शिष्यों को सभी राष्ट्रों में

सुसमाचार ले जाने का निर्देश देता है ताकि सभी लोगों को आशीर्वाद देने के लिए अब्राहम से परमेश्वर का वादा पूरा हो सके।

पिन्तेकुस्त के दिन, यीशु और पिता ने आत्मा को भेजा जिसने कलीसिया को परमेश्वर के नए नियम के लोगों के रूप में बनाया। आत्मा ने शिष्यों को दुनिया में सुसमाचार फैलाने की शक्ति दी। पॉल और पीटर अक्सर कलीसियाओं का वर्णन पुराने नियम के शब्दों में करते हैं।

गलातियों 6:16 में पौलुस ने कलीसिया को परमेश्वर का इस्राएल कहा है। फिलिप्पियों 3:3 में पौलुस ने कहा है कि हम ही सच्चे खतना वाले हैं, जो मसीह की महिमा करते हैं और आत्मा से आराधना करते हैं और शरीर पर भरोसा नहीं रखते। गलत व्याख्या।

1 पतरस 2:9 और 10 में निर्गमन 19 और अन्य स्थानों से पुराने नियम के पाठों की एक सूची है जो सीधे परमेश्वर के नए नियम के लोगों पर लागू होती है। पुराने नियम और नए नियम के परमेश्वर के लोगों के बीच निरंतरता है। 1 पतरस 2:9 और 10.

लेकिन तुम, उन लोगों के विपरीत जो यीशु के ठोकर खाने वाले पत्थर पर ठोकर खाते हैं, तुम एक चुनी हुई जाति, एक शाही याजक, एक पवित्र राष्ट्र, परमेश्वर के निज अधिकार के लिए एक लोग हो, ताकि तुम उसकी महानता का बखान कर सको जिसने तुम्हें अंधकार से निकालकर अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है। होशे के हवाले से, एक बार तुम लोग नहीं थे, लेकिन अब तुम परमेश्वर के लोग हो। एक बार, तुम पर दया नहीं की गई थी, लेकिन अब तुम पर दया की गई है।

पुराने नियम के इस्राएल और चर्च के बीच निरंतरता और असंततता है। एक ओर, चर्च, परमेश्वर के लोगों के रूप में, आध्यात्मिक इस्राएल है, जिसमें विश्वास करने वाले यहूदी और अन्यजाति शामिल हैं। दूसरी ओर, पौलुस उस उद्धरण को सिखाता है क्योंकि परमेश्वर के अनुग्रहपूर्ण उपहार और बुलाहट अपरिवर्तनीय हैं।

रोमियों 11:29. रोमियों 11 की आयत 28 पहली सदी के इस्राएल और मसीह की वापसी तक जारी इस्राएल की विषम स्थिति को समझाती है। सुसमाचार के संबंध में, वे तुम्हारे लिए शत्रु हैं, अन्यजातियों के कारण।

परन्तु चुने हुए लोग अपने पूर्वजों के कारण प्रिय हैं, क्योंकि परमेश्वर के वरदान और बुलाहट अटल हैं। क्योंकि जैसे तुम पहले परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाले थे, परन्तु अब उनकी आज्ञा न मानने के कारण तुम पर दया हुई है, वैसे ही परमेश्वर ने अन्यजातियों को भी बुलाया है, क्योंकि यहूदियों ने सुसमाचार को अस्वीकार किया। वैसे ही अब वे भी आज्ञा न माननेवाले हुए हैं, ताकि जो दया तुम अन्यजातियों पर हुई है, उसके कारण अब यहूदियों पर भी दया हो।

भगवान की दया ने सभी को अवज्ञा के लिए समर्पित कर दिया है ताकि वह सभी पर दया कर सके। यह उसके विस्फोट का अवसर है। ओह, भगवान के धन, बुद्धि और ज्ञान की गहराई।

उसके निर्णय कितने अथाह हैं और उसके मार्ग कितने गूढ़ हैं क्योंकि किसने प्रभु के मन को जाना है या कौन उसका सलाहकार रहा है या किसने उसे कोई उपहार दिया है ताकि उसे बदला मिल

सके? उह, कोई नहीं, कोई नहीं, कोई नहीं, कोई नहीं क्योंकि उससे और उसके द्वारा और उसके लिए सभी चीजें हैं। मामले का सार यह है: उसकी महिमा हमेशा के लिए हो। आमीन।

ईश्वर के लोगों के पुराने और नए समूहों के बीच निरंतरता है। जातीय इज़राइल, अब्राहम और सारा के रक्त वंशजों के लिए अभी भी एक भविष्य है।

परमेश्वर बहुत से यहूदियों को एक अलग सुसमाचार, एक अलग तरह के उद्धार के माध्यम से उद्धार की ओर ले जा रहा है और आगे भी ले जाएगा। ऐसा कुछ नहीं है, लेकिन वह प्राकृतिक जैतून के पेड़ और उसकी शाखाओं को ला रहा है, और उन्हें वापस उनके अपने जैतून के पेड़ में कलम लगा रहा है। जंगली जैतून की शाखाओं को कलम लगाने के बाद, गैर-यहूदी, जैसा कि चित्र में दिखाया गया है और प्रगतिशील डिस्पेंसेशनलिस्ट सहमत हैं, दोनों नियमों में परमेश्वर के लोगों की व्यापक एकता को दर्शाते हैं।

ईसाई इस बात पर असहमत हैं कि राष्ट्रीय इज़राइल का भविष्य है या नहीं, लेकिन ईसाइयों को इस बात पर असहमत नहीं होना चाहिए कि जातीय इज़राइल का भविष्य है। उह, जैसा कि हम बाद में देखेंगे जब हम पहले से ही और अभी तक नहीं के संकेतों पर चर्चा करेंगे, मुझे कहना चाहिए, उह, पिछली चीजों की हर प्रमुख विशेषता आंशिक रूप से पूरी हो चुकी है, और हम एक बड़े तरीके से पूरे होंगे। इसलिए, मसीह के आने के बीच में, कई यहूदी मसीह के पास आ रहे हैं और मसीह के पास आएंगे, लेकिन फिर ऐसा लगता है कि यीशु के दूसरे आगमन के समय मसीह में यहूदी विश्वासियों की एक बड़ी फसल होगी।

पहले से ही, यहूदियों को आने के बीच में बचाया गया था, अभी तक अंतिम बड़ी फसल नहीं हुई थी ताकि पॉल कह सके, और इस तरह, सभी इस्राएलियों को बचाया जाएगा। हर इस्राएली, बेशक नहीं, लेकिन युग के अंत में एक बड़ी फसल होगी। जब परमेश्वर हमें उद्धार में मसीह से जोड़ता है, तो वह हमें मसीह से जुड़े हर व्यक्ति से भी जोड़ता है।

नया नियम कई तरीकों से मसीह के साथ एकता में चर्च को दर्शाता है। मसीह के साथ एकता एक व्यक्तिगत मुक्ति सिद्धांत है। जब मैंने 21 साल की उम्र में यीशु पर विश्वास किया, तो मैं ईश्वर की कृपा और ईश्वर की आत्मा से उनसे जुड़ गया।

लेकिन तुरंत, हालाँकि मुझे इसका एहसास नहीं था, हालाँकि मैं पहले से ही परमेश्वर के लोगों की मण्डली से प्यार करता था, मुझे उन लोगों के साथ संगति में लाया गया जो मसीह से जुड़े हुए थे, और हम उसके शरीर के साथी सदस्य थे। हम मसीह में भाई-बहन थे और इसी तरह। नया नियम कई तरीकों से मसीह के साथ एकता में चर्च को दर्शाता है।

वह दाखलता है और कलीसिया उसकी शाखाएँ हैं, यूहन्ना 15. वह दूल्हा है और कलीसिया उसकी दुल्हन है, 1 कुरिन्थियों 6:15 से 17, इफिसियों 5:22 से 32. चूँकि आप इन चित्रों को थोड़ी देर में देखने वाले हैं, इसलिए मैं इन अंशों को अभी नहीं बल्कि बाद में पढ़ूँगा।

हमारे बाइबिल-धर्मशास्त्रीय रेखाचित्र के भाग के रूप में अवलोकन। वह मुखिया है, और कलीसिया उसका शरीर है, इफिसियों 5:23, 29 से 30, कुलुस्सियों 1:18। कलीसिया पिता और पुत्र में बनी रहती है, यूहन्ना 17:20 और 21, 1 यूहन्ना 4:16।

चर्च एक जीवित मंदिर है। क्षमा करें। चर्च एक जीवित मंदिर है।

1 कुरिन्थियों 3:16, 17, इफिसियों 2:19 से 22, 1 पतरस 2:6 से 8। कलीसिया मसीह में है, जो हमेशा नहीं, लेकिन अक्सर मसीह के साथ एकता को दर्शाता है। 1 कुरिन्थियों 1:30, 2 कुरिन्थियों 5:21। कलीसिया यीशु की कहानी में भाग लेती है।

हम थे, हम उसके साथ मरे। हम उसके साथ दफ़न हुए। हम उसके साथ जी उठे।

हम उसके साथ स्वर्गारोहण पर गए। हम उसके साथ परमेश्वर के पास बैठे। और यहाँ तक कि ऐसा भी लगता है कि रोमियों 8 और कुलुस्सियों 3 में आयत तीन के आस-पास शास्त्र सिखाता है, शायद ऐसा लगता है कि हम उसके साथ फिर से आ रहे हैं।

हम आध्यात्मिक रूप से उससे इतने जुड़े हुए हैं कि हमारी असली पहचान केवल तभी प्रकट होगी जब वह प्रकट होगा, और फिर हम उसके साथ प्रकट होंगे, कुलुस्सियों 3 आरंभ में। चर्च यीशु की कहानी में भाग लेता है, रोमियों 6 से 8, कुलुस्सियों 2:20, और कुलुस्सियों 3:1 से 4। यहूदा इस बात से प्रसन्न है कि चर्च में वे लोग शामिल हैं, जिन्हें परमेश्वर, पिता द्वारा बुलाया गया है, प्यार किया गया है, और यीशु मसीह के लिए रखा गया है। मैं कभी-कभी एक अलग अनुवाद का उपयोग कर रहा हूँ।

वह इस बात से खुश है कि, ठीक है, यहूदा और आदम को किसने लिया? ओह, वहाँ, यहूदा है। चर्च वे लोग हैं जिन्हें बुलाया गया है, परमेश्वर, पिता द्वारा प्रिय हैं, और यीशु मसीह के लिए रखे गए हैं। परमेश्वर के लोगों के रूप में, हम उसके हैं।

और आश्चर्यजनक रूप से, वह हमारा है। वाचा का यही अर्थ है। परमेश्वर अपने लोगों के प्रति वचनबद्ध है।

यह पूरी तरह से तभी साकार होगा, जब नया आकाश और नई पृथ्वी अभी तक नहीं आई है। जब परमेश्वर हमें मृतकों में से जिलाएगा, हमें महिमा देगा, और हमारे बीच वास करेगा, बाहरी रूप से और खुले तौर पर, प्रकाशितवाक्य 21:1 से 4 तक। यही हमारी बाइबिल की कहानी है। मुख्य अंश।

उत्पत्ति 12:1 से 3. निर्गमन 19:4 से 6. मत्ती 5 से 7, पर्वत पर उपदेश. मत्ती 16:16 से 19. यीशु ने कहा, मैं अपना चर्च बनाऊँगा.

प्रेरितों के काम 2:37 से 47. 1 कुरिन्थियों 12:14 से 31. इफिसियों 2:11 से 22.

अंशों में चर्च का परिचय। निम्नलिखित अंशों में, अच्छा, अच्छा, अच्छा। निम्नलिखित अंशों में, परमेश्वर की कृपा से, अब्राहम उसे जानता है, और परमेश्वर उसे एक भूमि का वादा करता है, जिसका अर्थ अंततः नई पृथ्वी है जिस पर परमेश्वर के सभी छोड़ाए गए, पुनर्जीवित लोग अनंत काल बिताएंगे।

जैसा कि उसने वादा किया है, परमेश्वर निःसंतान अब्राहम और सारा को एक पुत्र देता है जो याकूब का पिता है, जिसका नाम परमेश्वर ने इस्राएल रखा है, और जिससे वादा किया गया राष्ट्र उत्पन्न होता है। परमेश्वर अब्राहम के माध्यम से सभी लोगों को आशीर्वाद देने का वादा करता है। यह वादा अंततः मसीह में पूरा होता है, क्योंकि अब्राहम सभी विश्वासियों का पिता है, चाहे वे किसी भी जाति के हों, और सभी विश्वासी उसके पुत्र हैं।

मिस्र से इस्राएल के वंशज याकूब को मुक्त करने के बाद, परमेश्वर सिनाई पर्वत पर मूसा से मिलता है और उससे इस्राएल को परमेश्वर द्वारा उनके उद्धार और उनके साथ अपनी वाचा की याद दिलाने के लिए कहता है। परमेश्वर उन्हें अपने लोग बनाने का वादा करता है जो राष्ट्रों के बीच उसकी आराधना और उसकी सेवा करते हैं और उन्हें एक ईश्वरीय राष्ट्र बनाते हैं। परमेश्वर एक मिशन पर है, और वह अपने वाचा के लोगों के माध्यम से राष्ट्रों तक पहुँचने की योजना बना रहा है।

मैं विशेष अंशों की विषय-वस्तु को संक्षेप में प्रस्तुत कर रहा हूँ, इससे पहले कि मैं उन्हें अधिक विस्तार से देखूँ। पहाड़ी उपदेश में, यीशु ने अपने नए राज्य समुदाय के लिए अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। धन्य वचनों में, यीशु ने परमेश्वर के राज्य को आध्यात्मिक दरिद्रता, शोक, नम्रता, ईश्वरीयता की भूख, दया, शांति और उत्पीड़न से जोड़ा है।

यीशु कहते हैं कि जो लोग ऐसी बातों को अपनाते हैं, उनके लिए स्वर्ग का राज्य अभी है, और भविष्य में और भी अधिक आशीर्वाद मिलेंगे। उनके शिष्यों को संसार से अलग नहीं होना है या इससे दूषित नहीं होना है, बल्कि उन्हें पवित्र जीवन जीने और सुसमाचार की गवाही देने के मिशन को आगे बढ़ाना है। पतरस द्वारा यह स्वीकार करने के बाद कि यीशु मसीहा और परमेश्वर का पुत्र है, यीशु ने घोषणा की कि पतरस यीशु के चर्च के निर्माण में एक प्रमुख नेता होगा।

यीशु प्रभु और मसीहा हैं जो अपने मसीहाई समुदाय का निर्माण करते हैं, जिसके कारण वे मृत्यु सहित अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। सुसमाचार का प्रचार करके, शिष्य विश्वासियों को परमेश्वर के राज्य में आमंत्रित करेंगे। जब पतरस पित्तुकुस्त के दिन क्रूस पर चढ़ाए गए और जी उठे मसीह का प्रचार करता है, तो 3,000 लोग विश्वास करते हैं और बपतिस्मा लेते हैं।

लूका बताते हैं कि आरंभिक चर्च प्रेरितों के निर्देश, संगति, प्रभु भोज और प्रार्थना के प्रति समर्पित था। चर्च की विशेषता आनन्द, प्रशंसा, अच्छी प्रतिष्ठा और वृद्धि है। उद्धार में, आत्मा सभी विश्वासियों को मसीह से जोड़ती है, हमें उसके शरीर का हिस्सा बनाती है ताकि हम उसके और एक दूसरे के हों।

परमेश्वर ने चर्च को एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया है और सदस्यों को एक दूसरे के दुख और खुशियों को साझा करने का अधिकार दिया है। पौलुस महत्व के अनुसार उपहारों का

आदेश देता है और उपहारों से बेहतर कुछ दिखाता है: प्रेम। परमेश्वर ने अपने बेटे को भेजा जिसकी मृत्यु और पुनरुत्थान ने परमेश्वर और हमारे बीच शांति स्थापित की।

उनका मेलमिलाप का कार्य विश्वासियों, विश्वास करने वाले यहूदियों और गैर-यहूदियों को एक नई मानवता में एकीकृत करता है, और साथ में, वे त्रिएक के साथ एक रिश्ते में प्रवेश करते हैं। उत्पत्ति 12, एक से तीन। छुटकारे का इतिहास, यह एक उद्धारण है, सृष्टि की तरह, परमेश्वर के बोलने से शुरू होता है।

डेरक किडनर ने टाइन्डेल ओल्ड टेस्टामेंट कमेंट्री सीरीज में अपनी उत्पत्ति टिप्पणी में यही बात कही है। छुटकारे का इतिहास, सृष्टि की तरह, परमेश्वर के बोलने से शुरू होता है। उत्पत्ति 1 में कहा गया है कि परमेश्वर सृष्टि को अस्तित्व में लाने के लिए बोलता है, और यहाँ वह अब्राहम को बुलाता है, जो एक महान पिता है, जिसका नाम परमेश्वर बाद में बदलकर अब्राहम रख देता है, जो एक भीड़ का पिता है, उत्पत्ति 17:5। परमेश्वर उसे कसदियों के ऊर में अपना घर छोड़ने, कसदियों के लोगों में से एक, एक ऐसे देश में जाने का आदेश देता है जिसे परमेश्वर उसे दिखाएगा, 12:1। अपने पिता, तेराह के विपरीत, जो मूर्तियों की पूजा करता था, यहोशू 24 :2, अब्राहम अपनी दयालु पहल के कारण सच्चे परमेश्वर को जानता है।

परमेश्वर की योजनाओं में, अब्राहम परमेश्वर के लोगों का पिता बनेगा। परमेश्वर द्वारा अब्राहम को दी गई एक आज्ञा के साथ-साथ, परमेश्वर उससे अद्भुत वादे भी करता है। आशीर्वाद का विचार वादों में व्याप्त है, जो पाँच बार आता है।

ये वादे परमेश्वर के अपने लोगों के साथ व्यवहार के लिए आधारभूत हैं। परमेश्वर ने वादा किया है 1, अब्राहम को एक भूमि देने का, 2, उससे एक महान राष्ट्र लाने का, 3, उसे आशीर्वाद देने और उसके नाम को महान बनाने का, 4, उसकी रक्षा करने का, और 5, उसके द्वारा पृथ्वी पर सभी लोगों को आशीर्वाद देने का, उत्पत्ति 12:1 से 3। ये पाँच आधारभूत वादे हमारे ध्यान को आकर्षित करते हैं। सबसे पहले, परमेश्वर ने अब्राहम को एक भूमि देने का वादा किया है।

यह वादा किया गया देश है जिसमें इस्राएल 40 साल तक जंगल में भटकने के बाद आखिरकार प्रवेश करेगा। यहोशू के नेतृत्व में इस्राएल ने कनानियों को लगभग पूरी तरह से हटा दिया और उस भूमि पर कब्ज़ा कर लिया, और हम नई धरती पर रहेंगे, रोमियों 4:13, जिस पर परमेश्वर के सभी पुनर्जीवित लोग अनंत काल बिताएँगे। आप कहते हैं, रोमियों 4:13, नई धरती? ओह, हाँ।

हाँ, हाँ। पिता अब्राहम, विश्वासियों के पिता के बारे में हम पढ़ते हैं, अब्राहम और उसकी संतानों को यह वादा कि वह दुनिया का वारिस होगा, व्यवस्था के ज़रिए नहीं, बल्कि विश्वास की धार्मिकता के ज़रिए आया। वादा यह है कि वह दुनिया का, देश का वारिस होगा, नए नियम में, दुनिया का वारिस बन जाता है।

हम नई धरती पर रहेंगे, रोमियों 4:13, जिस पर परमेश्वर के सभी पुनर्जीवित लोग अनंत काल बिताएँगे, इब्रानियों 11:10, पुराने और नए नियम के परमेश्वर के लोग। दूसरा, परमेश्वर अब्राहम से एक महान राष्ट्र लाने का वादा करता है। यह मानवीय रूप से असंभव था क्योंकि सारा बांझ थी,

उत्पत्ति 11:30। ब्रूस वाल्टके टिप्पणी करते हैं, उद्धरण, इस निःसंतान जोड़े के माध्यम से, परमेश्वर एक नई मानवता को अस्तित्व में लाएगा जो पति की इच्छा से नहीं, बल्कि परमेश्वर की इच्छा से पैदा हुई है, उद्धरण बंद करें।

वाल्टके, जेनेसिस कमेंट्री, पृष्ठ 201, बेशक, जॉन 1, श्लोक 12 के आसपास का संदर्भ देते हुए। दूसरा, परमेश्वर अब्राहम से एक महान राष्ट्र लाने का वादा करता है, जिसके बारे में मैंने अभी कहा। परमेश्वर अब्राहम और सारा इसहाक देता है, जिसका पिता याकूब था, जिसका नाम परमेश्वर ने बदलकर इस्राएल रख दिया, और जिससे परमेश्वर वादा किया हुआ राष्ट्र लाता है।

आखिरकार, मसीह इस्राएल से आता है, और वह विश्वास करने वाले यहूदियों और अन्यजातियों से मिलकर बनी नई मानवता का मुखिया है, और अब्राहम से किए गए परमेश्वर के वादे में निहित है, गलातियों 3:7-9। तीसरा, बाबेल की मीनार बनाने वालों के विपरीत, जो खुद के लिए नाम कमाना चाहते हैं, उत्पत्ति 11:4, यह एक उद्धरण है, परमेश्वर अब्राहम को एक महान नाम देने का वादा करता है। यहीं से महानता आती है। यह परमेश्वर की ओर से एक उपहार है।

हम इसकी तलाश नहीं करते। यह उल्लेखनीय है, क्योंकि शास्त्र केवल परमेश्वर के नाम को महानता प्रदान करता है, पूरे बाइबल में दो अपवादों को छोड़कर। एक है दाऊद, मैं तुम्हारा नाम बड़ा करूँगा, 2 शमूएल 7 :9। दूसरा है पिता अब्राहम।

अविश्वसनीय। हे भगवान। चौथा, परमेश्वर अब्राहम की रक्षा करने का वादा करता है।

परमेश्वर अपने लोगों को आशीर्वाद देगा जो अब्राहम को आशीर्वाद देते हैं और उन सभी को शाप देगा जो उसके साथ अवमाननापूर्ण व्यवहार करते हैं। यह एक अच्छी बीमा पॉलिसी है। पाँचवाँ, परमेश्वर अब्राहम के माध्यम से पृथ्वी के सभी लोगों को आशीर्वाद देने का वादा करता है, उत्पत्ति 12:3। गॉर्डन वेनहम दिखाता है कि परमेश्वर के आशीर्वाद में एक निर्माण है।

सबसे पहले, सिर्फ अब्राहम को आशीर्वाद दिया गया। फिर, वह एक आशीर्वाद होगा, वह एक आशीर्वाद होगा। इसके बाद, जो लोग उसे आशीर्वाद देते हैं, वे धन्य हैं।

अंत में, सभी परिवार उसके द्वारा, अब्राहम से परमेश्वर के मूल वादे के द्वारा धन्य हैं, हालाँकि अब्राहम से परमेश्वर का मूल वादा है, तुम्हारे द्वारा, पृथ्वी के सभी परिवार धन्य होंगे, उत्पत्ति 12:3। बाद में, हम पढ़ते हैं कि पृथ्वी के सभी राष्ट्र धन्य होंगे, उत्पत्ति 18:18, 22:18, 26:4। मैं मिसौरी लॉटरी वाले की तरह लग रहा हूँ। मैं इसे फिर से दोहराऊँगा। सभी परिवार सभी राष्ट्र बन जाते हैं।

उत्पत्ति 18:8, 22:18, और 26:4 में दोनों सत्य हैं। यह वादा अंततः मसीह में पूरा होता है, क्योंकि अब्राहम, जैसा कि उद्धृत किया गया है, उन सभी का पिता है जो विश्वास करते हैं, यहूदी और गैर-यहूदी, रोमियों 4:11 और 12। वह परमेश्वर की दृष्टि में हमारा पिता है, 4:17। इसलिए, मसीह में विश्वास करने वाले अब्राहम के पुत्र हैं, अब्राहम की संतान, गलातियों 3:7, वास्तव में पुत्र हैं, और वादे के अनुसार अब्राहम के वंश वारिस हैं, यह एक उद्धरण है, उत्पत्ति, गलातियों 3:29। संक्षेप में, परमेश्वर अब्राहम से वादा करता है, उद्धरण, मैं तुम्हें एक महान राष्ट्र बनाऊँगा, मैं तुम्हें

आशीर्वाद दूंगा, मैं तुम्हारा नाम महान बनाऊंगा, और परमेश्वर ने उसे आदेश दिया, राष्ट्रों के लिए आशीर्वाद बनो। मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा ताकि तुम राष्ट्रों के लिए आशीर्वाद बनो।

अब्राहम को मिशन के लिए चुना गया है, जैसा कि डॉ. राइट ने दिखाया है क्रिस्टोफर राइट ने अपनी अद्भुत पुस्तक, द मिशन ऑफ गॉड में दिखाया है। निर्गमन 19: 4 से 6, हमारा दूसरा चयनित अंश। मिस्र छोड़ने के तीन महीने बाद, इस्राएली मूसा से परमेश्वर के वादे को पूरा करने के लिए माउंट सिनाई पर आते हैं, निर्गमन 3.12। वह परमेश्वर से मिलने जाता है, जो उससे बात करता है और उसे बताता है कि लोगों से क्या कहना है, जैसा कि निर्गमन 19:1 से 3 में है। परमेश्वर ने मूसा से लोगों को याद दिलाने के लिए कहा कि परमेश्वर ने मिस्रियों के साथ क्या किया था।

उसने मिस्र के देवताओं और उनके देवताओं में से एक फिरौन को दस विपत्तियों में हराया और समुद्र में फिरौन की सेना को नष्ट कर दिया। परमेश्वर ने कहा, उद्घरण, मैंने तुम्हें उकाब के पंखों पर उठाया, निर्गमन 19:4। उकाब की उड़ान का रूपक निर्गमन में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों के उद्धार को उजागर करता है। अपने बच्चों के लिए उकाब की देखभाल परमेश्वर की प्रचुर सुरक्षा और देखभाल को रेखांकित करती है।

प्रेम में, उसने शक्तिशाली रूप से उन्हें मिस्र में 430 वर्षों की गुलामी से छुड़ाया है। जब प्रभु कहते हैं, मैं तुम्हें अपने पास ले आया, निर्गमन 19 :4, तो वह इस्राएलियों के साथ वाचा में प्रवेश करने की बात करता है। वाचा जीवित परमेश्वर और उसके लोगों के बीच एक औपचारिक संबंध है।

मैं डगलस के. स्टीवर्ट, एक्सोडस, न्यू अमेरिकन कमेंट्री से मिली काफी मदद को स्वीकार करना चाहता हूँ। यह बहुत बढ़िया है। यह मुझे दिखाता है कि मैं पुराने नियम के बारे में कितना नहीं जानता, लेकिन मैं उन लोगों पर भरोसा कर सकता हूँ जो जानते हैं।

यहाँ, परमेश्वर की वाचा इन शब्दों में व्यक्त की गई है, मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊँगा, और तुम मेरे लोग होगे, लैव्यव्यवस्था 26:12, यिर्मयाह 7:23। पहले, परमेश्वर ने उन्हें बताया कि वह कौन है। अब वह उन्हें बताता है कि वे कौन हैं।

वह उनके रिश्ते की शर्तें तय करता है। वह लोगों से उसकी आज्ञा मानने और उसके साथ अपनी वाचा के प्रति वफादार रहने का आदेश देता है, निर्गमन 19:5। बदले में, परमेश्वर इस्राएलियों से तीन महान वादे करता है। पहला, हालाँकि वह पूरी धरती का निर्माता है, फिर भी वह उन्हें अकेले ही अपना अधिकार बनाएगा, उद्घरण, श्लोक 5। हालाँकि सभी राष्ट्र परमेश्वर के हैं, केवल इस्राएली ही उसके अपने लोग होंगे।

फिलिप राइकेन, *एक्सोडस, सेव्ड फॉर गॉड्स ग्लोरी*, क्रॉसवे की प्रीचिंग द वर्ड सीरीज़ में, कीमती संपत्ति के लिए इस्तेमाल किए गए शब्द को नोट करता है जो एक राजा से संबंधित संपत्ति को दर्शाता है। वह बताते हैं कि ईश्वर की कृपा के कारण, इस्राएल ईश्वर की शाही संपत्ति थी, उनकी सबसे बेशकीमती संपत्ति। बेशक, राजा एक अर्थ में सब कुछ का मालिक है, लेकिन उसकी बहुत बेशकीमती संपत्ति को इस्राएल के लिए इस्तेमाल किए गए शब्द से व्यक्त किया

जाता है, जो कि एक बड़े के साथ महान राजा की कीमती संपत्ति है। दूसरा, इस्राएली याजकों का एक राज्य होगा।

यह इस्राएल के भीतर और बाहर दोनों पर केंद्रित है। राष्ट्र के भीतर, प्रत्येक इस्राएली को परमेश्वर की आराधना और सेवा करनी है। इस्राएल के बाहर, इस्राएलियों को राष्ट्रों के बीच याजकों के रूप में परमेश्वर की सेवा के लिए समर्पित होना है।

परमेश्वर के लोगों को ऐसे लोग नहीं होना चाहिए जो खुद को बाकी दुनिया से अलग कर लें। बल्कि, जैसा कि पुजारी परमेश्वर और लोगों के बीच खड़े होते हैं, इस्राएलियों को राष्ट्रों के सामने उसका प्रतिनिधित्व करना चाहिए। इस्राएल को यह कैसे करना चाहिए? पॉल हाउस जवाब देते हैं, उद्धरण, इस पुरोहिती मंत्रालय में परमेश्वर के वचन को सही ढंग से सिखाना शामिल था।

होशे 4:1 से 14. मलाकी 2:7 से 9. इस पुरोहितीय सेवकाई में दूसरों के लिए प्रार्थना करना शामिल था. यिर्मयाह 15:1 से 2. इस्राएल की पुरोहितीय सेवकाई में लोगों को उचित तरीके से बलिदान चढ़ाकर परमेश्वर की आराधना करने में मदद करना शामिल था.

मलाकी 1:6 से 14 तक देखें। तीसरा, इस्राएल परमेश्वर का पवित्र राष्ट्र होगा। निर्गमन 19:6। जैसा कि वाचा के पवित्र परमेश्वर के साथ संगति में रहने वाले लोगों के लिए उचित है।

निर्गमन 21:2-17 में वर्णित इस्राएलियों की वाचा की जिम्मेदारी में जीवन के सभी पहलू शामिल हैं, जिसमें परमेश्वर, पड़ोसियों और अन्य राष्ट्रों के साथ व्यवहार शामिल है। यदि इस्राएली इन तीन वादों के प्रकाश में रहते, तो वे अब्राहम को परमेश्वर का आशीर्वाद देने में मदद करते। पृथ्वी पर सभी लोग आपके माध्यम से आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

उत्पत्ति 12:3. पतरस पुराने नियम और नए नियम में परमेश्वर के लोगों के बीच निरंतरता दिखाता है जब वह निर्गमन 19:4 से मूसा के शब्दों को चर्च पर लागू करता है। तुम एक चुना हुआ वंश, एक राजसी याजक-समाज, एक पवित्र जाति, और उसकी निज प्रजा हो। 1 पतरस 2:9. पतरस आगे कहते हैं, उद्धरण, ताकि तुम उसकी स्तुति का बखान कर सको जिसने तुम्हें अंधकार से निकालकर अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है।

उद्धरण समाप्त। परमेश्वर के लोगों के रूप में अपनी पहचान को जीना महत्वपूर्ण है। इससे परमेश्वर को महिमा मिलती है और यह परमेश्वर के मिशन का केंद्र है।

संक्षेप में, परमेश्वर ने इस्राएल को चुनने का अपना निर्णय व्यक्त किया है। वहाँ वाचा के लोग हैं, उसकी बहुमूल्य संपत्ति है, उसके याजकों का राज्य है, उसका पवित्र राष्ट्र है। इसकी विशिष्टता आश्चर्यजनक है।

विशिष्टता, यह एक फ्रायडियन स्लिप है। कुछ अनोखे लोग हैं जो ठीक हैं, और विशिष्टता चौकाने वाली है। सभी राष्ट्रों में से, तुम मेरे हो, भगवान कहते हैं।

इससे भी ज़्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि परमेश्वर की विशिष्टता ही सार्वभौमिकता का आधार है। सभी राष्ट्रों में से, तुम मेरे हो, और पूरी पृथ्वी मेरी है। इसलिए, तुम मेरे लिए याजकों का एक राज्य और एक पवित्र राष्ट्र होगे।

परमेश्वर एक मिशन पर है, और वह अपने वाचा के लोगों के माध्यम से राष्ट्रों तक पहुँचने की योजना बना रहा है। वे अपने पवित्र राष्ट्र के रूप में अपनी विशिष्टता के माध्यम से उसके तरीकों से उसकी गवाही देंगे। और वे याजकों के राज्य के रूप में अपनी घोषणा के माध्यम से उसकी गवाही देंगे, उद्धरण, राष्ट्रों को परमेश्वर का ज्ञान लाएंगे और राष्ट्रों को परमेश्वर के साथ प्रायश्चित के साधनों तक लाएंगे। क्रिस्टोफर राइट, *ईश्वर का मिशन*।

दुख की बात है, बेशक, जैसे-जैसे पुराने नियम की कहानी सामने आती है, वे उस मिशन में काफी हद तक विफल हो जाते हैं। हमारे अगले व्याख्यान में, हम नए नियम में अगली बार परमेश्वर के लोगों के बारे में इन बहुत ही खास अंशों को देखना जारी रखेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 1 है, बाइबिल की कहानी और मुख्य अंश।